INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: X	Department: Hindi	Date of submission: NA
Question Bank: 2	Topic: बड़े भाई साहब	Note: Pl. file in portfolio

प्रश्न 1. कथा नायक की रुचि किन कार्यों में थी?

उत्तरः कथा नायक की रुचि खेल-कूद, मौज-मस्ती, सैर-सपाटा, गप्पबाजी, पतंगबाजी तथा कागज़ की तितलियाँ उड़ाने में थी।

प्रश्न 2. बड़े भाई साहब छोटे भाई से हर समय पहला सवाल क्या पूछते थे?

उत्तरः बड़े भाई साहब छोटे भाई से हर समय एक ही सवाल पूछते थे- अब तक तुम कहाँ थे?

प्रश्न 3. दूसरी बार पास होने पर छोटे भाई के व्यवहार में क्या परिवर्तन आया?

उत्तरः दूसरी बार पास होने पर छोटा भाई अपने बड़े भाई की सहनशीलता का अनुचित लाभ उठाने लगा। वह पहले से अधिक स्वच्छंद हो गया। वह अपना अधिक समय खेल-कूद में ही लगाने लगा।

प्रश्न 4. बड़े भाई साहब छोटे से उम्र में कितने बड़े थे और वे कौन-सी कक्षा में पढ़ते थे?

उत्तरः बड़े भाई साहब लेखक से उम्र में पाँच वर्ष बड़े थे। वे नवीं कक्षा में पढ़ते थे ।

प्रश्न 5. बड़े भाई साहब दिमाग को आराम देने के लिए क्या करते थे?

उत्तरः बड़े भाई साहब दिमाग को आराम देने के लिए कॉपी और किताब के हाशियों पर चिड़ियों, कुत्तों और बिल्लियों की तस्वीरें बनाया करते थे। कभी-कभी एक ही नाम, शब्द या वाक्य को कई बार लिखते थे और कभी ऐसी शब्द रचना कर देते थे जिसका कोई अर्थ और सामंजस्य नहीं होता था।

प्रश्न 6. छोटे भाई ने अपनी पढ़ाई का टाइम-टेबिल बनाते समय क्या-क्या सोचा और फिर उसका पालन क्यों नहीं कर पाया ?

उत्तरः छोटे भाई ने अपनी पढ़ाई का टाइम टेबिल बनाते समय यह सोचा कि वह प्रातः काल छह बजे उठेगा, मुँह-हाथ धोकर, नाश्ता करके पढ़ने बैठ जाएगा। वह छह से आठ बजे तक अंग्रेजी, आठ से नौ बजे तक गणित, नौ से साढ़े नौ बजे तक इतिहास फिर भोजन करके स्कूल चला जाएगा। साढ़े तीन बजे लौटकर चार से पाँच बजे तक भूगोल, पाँच से छह बजे तक ग्रामर साढ़े छह से सात तक अंग्रेजी कंपोजीशन, फिर भोजन करके आठ से नौ बजे तक अनुवाद, नौ से दस तक हिंदी और

दस से ग्यारह बजे तक विविध विषय पढ़ेगा। उसने यह टाइम-टेबिल तो बना लिया पर उसका पालन नहीं कर पाया, क्योंकि इसमें खेल-कूद का कोई स्थान नहीं था।

प्रश्न 7. एक दिन जब गुल्ली-डंडा खेलने के बाद छोटा भाई बड़े भाई साहब के सामने पहुँचा तो उनकी क्या प्रतिक्रिया हुई ?

उत्तरः एक दिन जब गुल्ली-डंडा खेलने के बाद छोटा भाई, बड़े भाई के सामने पहुँचा तो बड़े भाई ने क्रोध में उसे खूब लताड़ा । उसे घमंडी कहा और सर्वनाश होने का डर दिखाया। उन्होंने अनेक घमंडी लोगों और राजाओं के उदाहरण देकर उसे बताया कि घमंड करने से बड़े-से-बड़े व्यक्ति का भी नाश हो जाता है। उन्होंने उसके परीक्षा में पास होने को भी केवल एक संयोग बताया।

प्रश्न 8. बड़े भाई साहब को अपने मन की इच्छाएँ क्यों दवानी पड़ती थीं?

उत्तरः बड़े भाई साहब को अपने मन की इच्छाएँ दबानी पड़ती थीं क्योंकि वे कभी मेले-तमाशों में नहीं जाते थे। वे हॉकी-क्रिकेट मैचों के पास तक नहीं फटकते थे। बस हर समय पढ़ाई करते रहते थे। इसके बावजूद भी एक-एक कक्षा कई-कई साल में पास करते थे। वे नींव पक्की बनाने में विश्वास करते थे। उन्हें अपनी पोजीशन और कर्तव्य का भी ध्यान रहता था। वे कहते थे "मेरा जी भी ललचाता है, लेकिन क्या करूं, खुद बेराह चलूँ तो तुम्हारी रक्षा कैसे करूँ? यह कर्तव्य भी तो मेरे सिर है।"

प्रश्न 9. बड़े भाई साहब छोटे भाई को क्या सलाह देते थे और क्यों?

उत्तरः बड़े भाई साहब छोटे भाई को दिन-रात पढ़ने की सलाह देते थे। उनकी इच्छा थी कि जिस प्रकार वे हर समय पढ़ते रहते हैं.. उसी प्रकार उनका छोटा भाई भी अपना सारा ध्यान पढ़ाई में लगाए। उन्हें अपने छोटे भाई का खेलना और इधर-उधर घूमना अच्छा नहीं लगता था। बड़े भाई साहब चाहते थे कि उनका छोटा भाई पढ़-लिखकर विद्वान बने।

प्रश्न 10. छोटे भाई ने बड़े भाई साहब के नरम व्यवहार का क्या फ़ायदा उठाया ?

उत्तरः छोटे भाई ने बड़े भाई के नरम व्यवहार का भरपूर फायदा उठाया। बड़े भाई साहब फेल होकर कुछ नरम पड़ गए थे। अब वे डाँटने का अवसर पाकर भी धीरज से काम लेते थे। वह समझने लगा कि अब बड़े भाई का उसे डाँटने का अधिकार नहीं रहा। उसकी तकदीर बलवान है। वह भाई साहब से नज़र बचाकर पतंगबाजी में अपना समय गँवाने लगा।

प्रश्न 11. बड़े भाई की डाँट-फटकार अगर न मिलती, तो क्या छोटा भाई कक्षा में अव्वल आता? अपने विचार प्रकट कीजिए।

उत्तरः बड़े भाई साहब और छोटा भाई दोनों हॉस्टल में रहते थे। बड़े भाई साहब निरंतर पढ़ते रहते थे। उनकी इच्छा थी कि उनका छोटा भाई भी खूब पढ़े किंतु छोटे भाई का ध्यान पढ़ाई की बजाय खेलों में अधिक लगता था। उनकी डाँट-फटकार के कारण ही छोटा भाई कक्षा में अव्वल आता था।

प्रश्न 12. इस पाठ में लेखक ने समूची शिक्षा के किन तौर-तरीकों पर व्यंग्य किया है? क्या आप उनके विचार से सहमत हैं?

उत्तरः 'बड़े भाई साहब' पाठ में लेखक ने समूची शिक्षा प्रणाली पर तीखा व्यंग्य किया है। इससे बालक का पूर्ण विकास नहीं हो पाता। इस प्रणाली में रटंत विधा को बढ़ावा दिया जाता है, इस शिक्षा प्रणाली में वे सिर-पैर की बातें पढ़ाई जाती है जिसका कोई लाभ नहीं। छोटे-छोटे विषयों पर लंबे-चौड़े निबंध लिखने को कहा जाता है। इस प्रकार की शिक्षा प्रणाली से बालकों की मौलिकता नष्ट हो जाती है, हम लेखक के विचारों से पूर्णतः सहमत है।

प्रश्न 13. बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है?

उत्तरः बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ अनुभव से आती है। जिसे जीवन जीने का अनुभव अधिक है, वही बुद्धिमान माना जाता है। वह हर परिस्थिति को अपने अनुकूल ढाल लेता है, विशेष परिस्थिति में वह कभी घबराता नहीं।

प्रश्न 14. छोटे भाई के मन में बड़े भाई साहब के प्रति श्रद्धा क्यों उत्पन्न हुई?

उत्तरः उनके द्वारा दिए गए तर्क और उदाहरण इतने सटीक थे कि छोटा भाई हैरान रह गया। बड़े भाई साहब ने उसे बताया कि केवल किताबी ज्ञान पा लेने से कोई महान् नहीं बन जाता बल्कि जीवन की समझ तो अनुभव से आती है। बड़े भाई साहब की ऐसी विद्वत्तापूर्ण बातों को सुनकर छोटे भाई के मन में उनके प्रति श्रद्धा उत्पन्न हो गई थी।

प्रश्न 15. बड़े भाई की स्वभावगत विशेषताएँ बताइए।

उत्तरः बड़ा भाई महत्त्वाकांक्षी है। वह बड़ा होने का सम्मान चाहता है। वह अपने-आपको अपने छोटे भाई का संरक्षक सिद्ध करने के लिए जी जान लगा देता है।

कड़ा परिश्रमी- बड़ा भाई भले ही पढ़ाई करने का सही ढंग न जानता हो, लेकिन उसके परिश्रम में कोई कसर नहीं रहती। वह तीन-तीन बार फेल होकर भी उसी परिश्रम से दिन-रात पढ़ता है।

लेखक का हितैषी- बड़े भाई साहब अपने छोटे भाई का भला चाहने वाले हैं। वे निरंतर उसे अच्छाई की ओर प्रेरित करते हैं। वे उस पर क्रोधित भी होते रहते हैं और पूरा नियंत्रण भी रखते हैं ।

वाक्पटु- बड़े भाई साहब वाक् कला में निपुण हैं। वे अपने छोटे भाई को ऐसे-ऐसे उदाहरण देकर बात करते हैं कि वह उनके आगे नतमस्तक हो जाता है। उन्हें शब्दों को सुंदर ढंग से प्रस्तुत करना आता है।

वर्तमान शिक्षा प्रणाली का विरोधी- बड़े भाई साहब वर्तमान शिक्षा प्रणाली के विरोधी हैं। उनके अनुसार यह शिक्षा प्रणाली किसी प्रकार से भी लाभदायक नहीं है। यह विद्यार्थियों को कोरा किताबी ज्ञान देती है जिसका वास्तविक जीवन से कोई लेना देना नहीं। बड़े भाई बड़े तर्कशील भी हैं।

प्रश्न 16. बड़े भाई साहब ने जिंदगी के अनुभव और किताबी ज्ञान में से किसे और क्यों महत्त्वपूर्ण कहा है?

उत्तरः बड़े भाई साहब ने जिंदगी के अनुभव को किताबी ज्ञान से अधिक महत्त्वपूर्ण कहा है। उनके अनुसार जिंदगी की समझ किताबें पढ़ने से नहीं आती, दुनिया देखने से आती है। वे अपने घर का उदाहरण देकर बताते हैं कि हमारी अम्मा ने कोई दरजा पास नहीं किया और दादा भी शायद पाँचवीं छठी जमात से आगे नहीं गए, पर अम्माँ-दादा को हमें समझाने और सुधारने का अधिकार हमेशा रहेगा क्योंकि उन्हें दुनिया का हमसे ज्यादा तजुर्बा है।

प्रश्न 17. 'बड़े भाई साहब' कहानी से आपको क्या सीख मिलती है?

उत्तरः 'बड़े भाई साहब' कहानी से हमें यह सीख भी मिलती है कि हम सहज रूप से पढ़ें। परीक्षा के डर से हमेशा किताबी कीड़ा न बनें । जो पढ़ें समझ कर पढ़ें, रटें नहीं । अपनी समझ को विकसित करें। खेल-कूद पढ़ाई के आवश्यक अंग हैं। समय पर पढ़ें और समय पर खेलें । दूसरों को उपदेश देने का अधिकार तभी है जब हम स्वयं योग्य हों या अपनी योग्यता प्रमाणित कर चुकें हों ।

बहुविकल्पीय प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दिए गए विकल्पों से चुनें-

प्रश्न 1. 'बड़े भाई साहब कथा का नायक कौन है?

(i) बड़े भाई साहब (ii) लेखक स्वयं

(iii) दोनों (iv) प्रेमचंद

प्रश्न 2. बड़े भाई का छोटे भाई से सदैव पहला प्रश्न होता था-

(1) तुम पढ़ क्यों नहीं रहे हो (ii) तुम नहीं पढ़ना चाहते

(iii) अब तक तुम कहाँ थे (iv) तुम कब समझोगे

प्रश्न 3. लेखक अर्थात छोटा भाई स्वच्छंद कब हो गया?

(1) दूसरी बार पास होने पर (iii) पिता का सहारा मिलने पर

(ii) पहली बार पास होने पर (iv) उपरोक्त सभी

प्रश्न 4. बड़े भाई साहब छोटे से कितने बड़े थे?

(i) दो वर्ष (iii) चार वर्ष

(ii) तीन वर्ष (iv) पाँच वर्ष

प्रश्न 5. पास होने के लिए लेखक ने क्या किया ?

(i) प्राणांतक परिश्रम किया (iii) कम मेहनत की

(ii) पढ़ाई नहीं की (iv) रात-रात भर जागा और पढ़ा

********** ooo **********